सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश

रजत जयंती वर्ष आयोजन समारोह समिति
प्रज्ञादीप हर्षवर्धन नगर, भोपाल (म.प्र.) 462001

निवेदन,

वनवासियों की गरीबी तथा अशिक्षा का लाभ उठाकर आज विदेशी शक्तियाँ देश में प्रलोभन एवं भय दिखाकर उनका मतांतरण करने में लगी हुई हैं, जिससे वनवासी समाज राष्ट्र की मुख्य धारा से अलग होता जा रहा है।

मिशनरियों के षडयंत्र से वनवासियों को बचाने और उनमें स्वाभिमान का भाव जागृत करने का कार्य विद्याभारती संपूर्ण देश में समाज के सहयोग से कर रही है। वर्तमान में मध्यभारत प्रांत में 1000 सरस्वती संस्कार केन्द्र एवं 4 आवासीय विद्यालय नि:शुल्क शिक्षा एवं संस्कार देने का कार्य कर रहे हैं।

वर्तमान चुनौतियों के सामने यह कार्य अल्प है। कार्य की व्यापकता हेतु इस पुनीत कार्य में हमें आपसे चाहिए मात्र 10 रु. का सहयोग क्योंकि –

- **आपके दस रु. के सहयोग से बदल सकता है एक वनवासी बालक का भविष्य।**
- **आपके दस रु. का सहयोग दे सकता है निर्धन बालकों के हाथ में स्लेट, पेन-पेन्सिल।**
- **आपके दस रु. का सहयोग दिला सकता है एक वनवासी बालक को छात्रावास में प्रवेश।**
- **आपके दस रु. का सहयोग ला सकता है सामाजिक समता और समरसता की क्रांति।**
- **आपके दस रु. का सहयोग रोक सकता है वनवासियों का धर्मान्तरण।**
- **आपके दस रु. का सहयोग हरेगा मानवता की त्रासदी और यही होगा एक पूजा कर्म और एक यज्ञ।**

भारतीय संस्कृति में आस्था रखने वाले करोड़ों नागरिकों के इस देश में अपने ये स्वजन स्वयं को उपेक्षित न समझें, इस दृष्टि से हमें अपने स्नेह हाथ बढ़ाकर उन्हें विश्वास दिलाना होगा कि भारत भूमि ''अनाथ'' का नहीं अपितु ''जगन्नाथ का देश'' है।

तुलसी पंछिन के पिये, घटे ना सरिता नीर।
दान दिये धन ना घटे, जो सहाय रघुवीर।।

''आइए मानवता के लिए निभाएँ अपना मानव धर्म''

प्रकाश रोकड़े
संयोजक
रजत जयन्ती समारोह

मोहनलाल गुप्ता
प्रादेशिक सचिव
सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान मध्यप्रदेश